बच्चों को समझायें कि पवित्रात्मा

किस प्रकार हमें पुनः नवीनीकरण करती है।

प्रार्थना: "परमेश्वर, हमारे बच्चों को आश्वासन दीजिये कि आप उन्हें मृतकों में से पुनः जीवित करेंगे, यीशु मसीह में, जिससे हम सर्वदा उनकी महिमा में रह सकें।

बच्चों की इन सिखने वाली क्रियाओं में से कोई चुन लें।

बड़ा बच्चा या शिक्षक पढ़े या बतायें जो कुछ याद किया है उस दर्शन के विषय जो परमेश्वर ने यहेजकेल को दिया – घाटी जो सूखी हड्डियों से भरी पड़ी थी **(यहेजकेल 37:1-14)** से सर्वप्रथम बच्चों से कहें कि ध्यान पूर्वक सुने और ढूंढे कि यहोवा परमेश्वर ने इस्राएल के लोगों को क्या आशा दी थी कि वह उनको बचायेगा, परमेश्वर ने यहेजकेल भविष्यद्वक्ता क्या प्रतिज्ञा की थी।

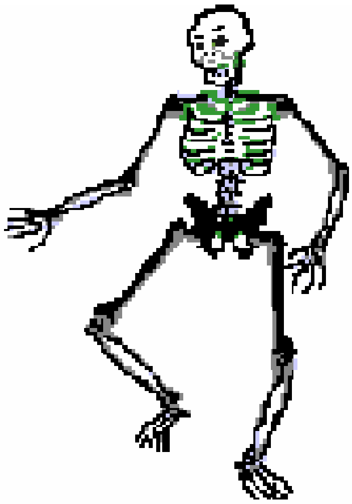

कहानी समझाने के बाद प्रश्न पूछें। (उत्तर तब भी बतायें जब आवश्यकता हो)

- किसने भविष्यद्वक्ता को जो हड्डियों से भरी हुई थी एक घाटी दिखाई?

  उत्तर : आयत 1 देखें।
- यहेजकेल ने क्या सुना जब उसने हड्डियो के विषय भविष्यवाणी की थी?

  उत्तर: आयत 7 देखें।
- परमेश्वर की साँस ने उन हड्डियों का क्या किया।

  उत्तर: आयत 10 देखें।
- हड्डियाँ किसको दर्शाती है।

  उत्तर: आयत 11 देखें। ये हड्डियाँ उसके लोगों की थी।
- परमेश्वर ने कौन सी प्रतिज्ञा की थी कि वह अपने लोगों को देगा, जिससे वे पुनः रह सके।

  उत्तर: आयत 14 देखें।

कहानी के भागों पर आधारित नाटक करें।

- मुख्य कलीसिया के अगुवों को साथ मिलकर आराधना के समय यह नाटक प्रस्तुत करें।
- अपना समय दें बच्चों को नाटक तैयार करवाने में।
- आपको सभी भाग नाटक मे प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं।

- बड़े बच्चे या वयस्क इन पात्रों को कर सकते हैं:

  वाचक: काहानी को सारांश में करके बच्चों को याद करने में सहायता करें।

  परमेश्वर की आवाज़

  यहेजकेल

- **जवान बच्चें** इन पात्रों को कर सकते हैं:

  हड्डियाँ जमीन पर आँखे बन्द करके लेट जाइये।

  हवा

सूखी हड्डियो का दर्शन

वाचक : यहेजकेल 37:1-4 दर्शन को बतायें या तुलना करें। तब कहें, "सुनों परमेश्वर क्या है।"

परमेश्वर की आवाज़ : "यहेजकेल, मैं चाहता हूँ कि मैं तुझे अपने लोगों का भविष्य दिखाऊँ। इस घाटी को देख जो सूखी हड्डियों से भरी हुई है। क्या आप सोच सकते हैं कि सूखी हुई हड्डियाँ पुन: जीवित हो सकती है।"

यहेजकेल : "परमेश्वर, आप ही जानते हैं"

परमेश्वर की आवाज : "उनको बता दे कि मैं सब हड्डियों को इकट्ठा करके उनमें जीवन का श्वास फूँक दूंगा।

यहेजकेल : "सूखी हड्डियाँ, तुम पुन: जीवित होगी।

हड्डियाँ : छन छन करके आवाज़ आती है और सभी आँख बन्द करके ज़मीन पर लेटे रहें।

यहेजकेल : "अब परमेश्वर अपनी श्वास आप सब हड्डियों में फूँकेगा और आप सब जीवित हो जाओगी। हवा, चलती है।"

हवा : हड्डियों की ओर तेज़ी से चलती हैं।

हड्डियाँ : कूदकर खड़ी हो जाती है सिपाहियों के समान सीधी। कहें, "परमेश्वर ने हमें जीवन दिया।"

"हम उसकी स्तुति करें! सर्वशक्तिमान परमेश्वर को।"

"सर्वशक्तिमान ने सब मृतकों को पुन: जीवित किया है, अपनी उन्नतकाल की महिमा द्वारा।

वाचक और बड़े बच्चे : सभी का धन्यवाद जिन्होंने नाटक में सहायता की।

प्रश्न पूछें : यदि बच्चे, वयस्को के लिये यह नाटक करते हैं, तो उने वही प्रश्न पूछे जो ऊपर दिये गये हैं।

पूछें! और कौन सी प्रतिज्ञायों के उदाहरण हैं जो परमेश्वर ने हमारे लिये की है कि वह उन्हें भविष्य में पूरा करेगा? (बच्चे और वयस्क उदाहरण दें)

चित्र खीचें: हड्डियों का या मानव कंकाल का

- अपने बड़े बनाये हुये चित्र का बड़े बड़े टुकड़ो में काटकर बच्चों से कहें कि उन्हें इकट्ठा करें। या जोड़े (जैसे पजल खेल में करते हैं)
- बच्चे चित्र की नकल करें।
- बड़े बच्चे, जवान बच्चों की मदद करें।
- बच्चे अपने द्वारा बनाये गये चित्रों को या तो वयस्को को आराधना के समय या घर में दिखायें।

- बताये कि सूखी हुई हड्डियाँ दर्शाती है कि परमेश्वर की आत्मा किस प्रकार किसी भी मनुष्य को बदल सकती है, चाहे वह कितना बदल सकती है, चाहे वह कितना बुरा क्यों न हो।
- हड्डियाँ हमें स्मरण करवाती है कि परमेश्वर हमें मृतकों में से जीवित करेगा अपनी महिमा के लिये।

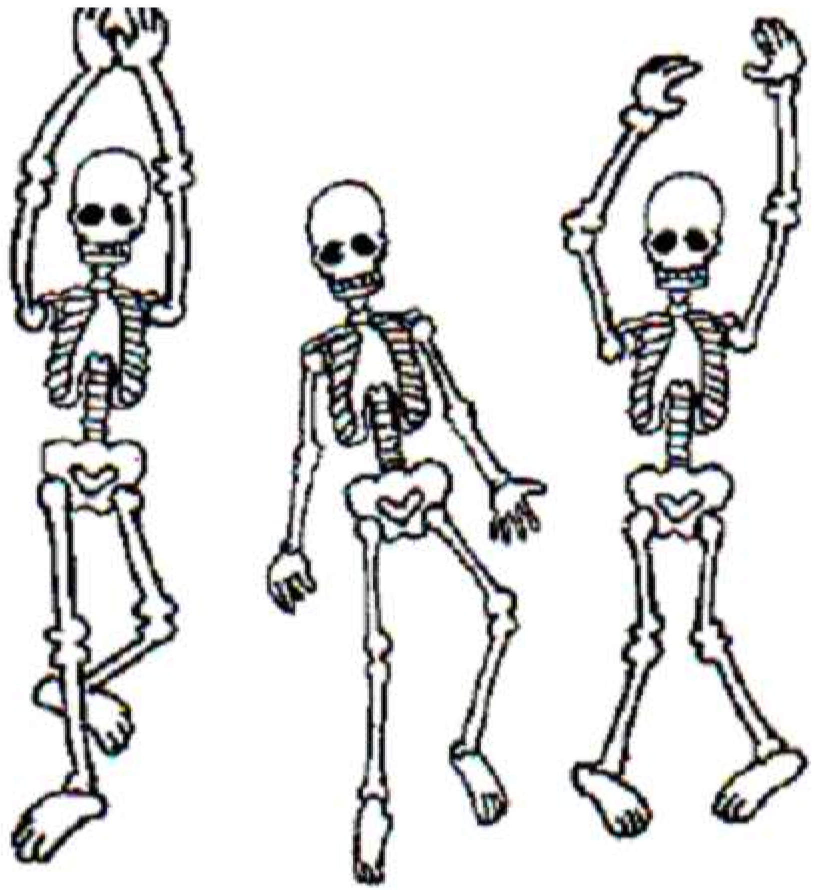

- हमने अनन्त जीवन पाया है यीशु मसीह में क्योंकि उसने ही केवल हमारा स्थान लिया हमारे पापों के बदले मूल्य चुकाया, हमारी लज्जा को अपने ऊपर ले लिया। और फिर मृतकों में से जीवित हो गया। जिससे हम उसके साथ बैठ सके। उसने एक मार्ग बनाया कि हम सब इस पर चलें।

याद करें: 2 इतिहास 7:14

उच्चारण करे कविता पाठ: दो बच्चे, प्रत्येक बच्चा यिर्मयाह 31:33,34 का उच्चारण करें।

बड़े बच्चे कवितायें लिखें गीत व नाटक लिखें कि पवित्रात्मा किस प्रकार हमें जीवन देती है।

प्रार्थना : "प्यारे परमेश्वर केवल आप ही सर्वशक्तिमान है जो सूखी हड्डियों को जीवित करके दुबारा चलने योग्य बनाते हो। जब हम मर जायेंगे,आप अपना जीवन देने वाला श्वास हमें देना। हम आत्मिक रुप भरे हुये हैं अपने पापों में, किन्तु आपने हमें नया जीवन दिया, कि हम पवित्र जीवन जो सर्वदा का है उसमें जीवित रहें।